छटा हुआ — चुना हुआ। चालाक। चतुर। धूर्त।

छंटाक भर	तौल में पाव का चौथाई भाग। बहुत थोड़ा। स्वल्प। कम।
छंटे छंटे फिरना	दूर दूर रहना। साथ बचाना। कुछ सम्बन्ध या लगाव न रखना।
छकड़ा लादना	छकड़े में बोझ या सामान भरना।
छक्का पंजा	दांव पेंच। चालबाजी। छल कपट।
छक्का पंजा भूल जाना	उपाय काम न करना। चाल न चलना। कर्तव्य सुझाई न पड़ना। बुद्धि का काम न करना।
छक्का छूटना	होश हवास जाता रहना। होश उड़ना। बुद्धि का काम न करना। स्तब्ध होना। हिम्मत हारना। साहस छूटना। घबरा जाना। चालाकी या उपाय न सूझना। चालाकी न चलना। चकित होना।
छक्के छुड़ाना	चकित करना। विस्मित करना। हैरान करना। साहस छुड़ाना। अधीर करना। घबरा देना। पस्त करना। पैर उखाड़ देना। हौसला पस्त कर देना।
छछूंदर के सिर में चमेली का तेल = कोई बेमेल बात। अयोग्य व्यक्ति।	
छछूंदर छोड़ना	ऐसी बात कहना जिससे लोगों में हलचल मच जाय। आग लगाना। झगड़ा लगाना। खुराफात करना।
छटा हुआ = चतुर। बदमाश।	
छठी का दूध निकलना	कठिन श्रम पड़ना। बहुत हैरानी होना। भारी संकट पड़ना। बचपन का खाया पिया निकलना।
छठी का दूध निकालना	बहुत हैरान करना। अधिक परिश्रम लेना। बहुत कष्ट देना।
छठी का दूध याद आना	सब सुख भूल जाना। बचपन की सारी खिलाई पिलाई निकल आना। घोर परिश्रम पड़ना। बहुत हैरानी होना। भारी संकट पड़ना।
छठी का राजा	पुश्तैनी अमीर। पुराना रईस। (व्यंग्य)। जन्म का दरिद्र।
छठी में न पड़ना	भाग्य में न होना। प्रकृति में न होना। प्रकृति विरुद्ध होना। स्वभाव के प्रतिकूल होना।

छड़ी छंटाक	बिना किसी संगी साथी के। अकेले। एकाकी। बिना किसी बोझ या असबाब लिए।
छत बंधना	बादलों का घेर कर छाना।
छनन मनन होना	पूरी पकवान आदि बनना।
छन्न होना	सूख जाना। उड़ जाना।
छप्पर पर रखना	दूर रखना। अलग रखना। रहने देना। छोड़ देना। चर्चा न करना।
छप्पर पर फूस न होना	अत्यन्त निर्धन होना। कंगाल होना। अकिंचन होना।
छप्पर फाड़कर देना	अनायास देना। बिना परिश्रम प्रदान करना। बैठे बिठाये अकस्मात देना। घर बैठे पहुंचना।
छप्पर रखना	एहसान रखना। बोझ रखना। निहोरा लगाना। उपकृत करना। दोषारोपण करना। दोष लगाना। कलंक लगाना।
डर जाना =	भूत इत्यादि से डर जाना।
छर्रा पिलाना	बन्दूक में छर्रे भरना।
छल छंद	कपट। धोखेबाजी। चालबाजी। उ०-छोम छल छंदन को बाढ़ै। पाप छंदन को फिकिर के फंदन को फारिहै पै फारिहै। पद्माकर।
छल छेव	कपट व्यवहार। कुटिलता का दांव पेंच। छल छिद्र। उ०- जानति नहीं कहां ते सीखे चोरी के छल छेव। । सूर ।
छल पिलाना	कटोरे बजा बजाकर राह चलते पथिकों को पानी पिलाना।
छलनी कर देना	छेदों से भर देना। जर्जर कर देना।
छलनी में डालकर छाज उड़ाना	बात का बतंगड़ करना। थोड़ी सी बुराई या दोष को बहुत बढ़ाकर कहना। थोड़ी सी बात को लेकर चारों ओर बढ़ा चढ़ाकर कहते फिरना। तिल का ताड़ बनाना।
छलनी हो जाना	किसी वस्तु में बहुत से छेद हो जाना। किसी वस्तु का स्थान स्थान पर फटकर बेकाम हो जाना।

	बहुत जीर्ण हो जाना।
छलावा खेलना	अगिया बैताल का इधर उधर दिखाई पड़ना। इधर उधर लुक फिरता हुआ दिखाई पड़ना देना।
छलावा सा	बहुत चंचल। उ०- कर तें छटकि छूटी छलकि छलावा सी। हरिश्चन्द्र।
छलावा हो जाना	अदृश्य हो जाना।
✓छांटा देना	किसी को छलपूर्वक संग साथ से अलग करना।
छांह छूना	पास जाना। पास फटकना। उ०- मुंह माहीं लगी जक नाहीं मुबारक, छाहों छुए छरकै उछलै। मुबारक।
छांह न छूना	पास तक न जाना।
✓छांह न छूने देना	पास न फटकने देना। निकट तक न आने देना।
छांह पड़ना	प्रभाव पड़ना।
छांह बचाना	दूर दूर रहना। पास न जाना। अलग रहना।
छांह में होना	ओट में होना। छिपना। उ०- पंथ अति कठिन पथिक कोउ संग नाहिं तेज भए तारागन छांह भयो रवि है।
छाज में उड़ाना	बात का बतंगड़ करना। थोड़ी सी बुराई या दोष को बहुत बढ़ाकर कहना। थोड़ी सी बात को लेकर चारों ओर बढ़ा चढ़ाकर कहते फिरना।
छाज की दाढ़ी	बड़ी और चौड़ी दाढ़ी।
छाजों मेंह बरसना	बहुत पानी बरसना। मूसलाधार पानी बरसना।
छाती उड़ी जाना	दुःख या आशंका से चित्त व्याकुल होना। कलेजा दहलना। जी घबड़ाना।
छाती उमड़ आना	प्रेम या करुणा के आवेग से हृदय परिपूर्ण होना। प्रेम या करुणा से गद्गद् होना।
छाती उभरना	युवावस्था आरम्भ होने पर स्त्रियों के स्तन का उठना या बढ़ना।

छाती का जम

दु:खदायक वस्तु या व्यक्ति। हर घड़ी कष्ट पहुंचानेवाला आदमी या वस्तु। कष्ट पहुंचाने के लिए सदा घेरे रहनेवाला आदमी। धृष्ट मनुष्य। ढीठ आदमी।

छाती कूटना

छाती पर जोर जोर से हाथ पटकना। दु:ख या शोक से व्याकुल होकर छाती पर हाथ पटकना। शोक के आवेग. में हृदय पर आघात करना। मातम मनाना। ईर्ष्या के अतिरेक से छाती पीटना।

छाती के किवाड़ खुलना

छाती फटना। गहरी चोख निकलना।

छाती छलनी होना

कष्ट या अपमान उहते सहते हृदय जर्जर हो जाना। बार बार के दु:ख या कुढ़न से चित्त का अत्यन्त व्यथित होना। दु:ख फेलते फेलते या कुढ़ते कुढ़ते जी ऊब जाना।

छाती जलना

कलेजे पर गर्मी मालूम होना। अजीर्ण आदि के कारण हृदय में जलन मालूम होना। शोक से हृदय व्यथित होना। हृदय दग्ध होना। मानसिक व्यथा होना। सन्ताप होना। ईर्ष्या या क्रोध से चित्त सन्तप्त होना। जलन होना। उ०- जो वह भली नैक हू होती तो मिलि सबनि बतातो। वह पापिनी दाहि कुल आई देखि जरत मोरि छाती।
। सूर ।

छाती जलाना

हृदय सन्तप्त करना। सन्ताप देना। मानसिक व्यथा पहुंचाना। जी जलाना। कष्ट पहुंचाना। कुढ़ाना। चिढ़ाना।

छाती जुड़ाना

हृदय शीतल होना। चित्त शांत और प्रफुल्लित होना। मन का आवेग शांत होना। कामना पूर्ण होना। हौसला पूरा होना। हृदय शीतल करना। चित्त शांत करना। कामना पूर्ण करना। इच्छा या हौसला पूरा करना। मन का आवेग संग्रह करना। उ०-(क) लेहिं परस्पर अति प्रिय पाती। हृदय लगाय जुड़ावहिं छाती। तुलसी। (ख) खोजत रहेउं तोहिं सुत घाती। आज निपाति जुड़ावहुं छाती। तुलसी ।

छाती ठंढी करना	हृदय शीतल करना। चित्त शांत और प्रफुल्लित करना। मन का आवेग शांत करना। मन की अभिलाषा पूर्ण करना। हौसला पूरा करना।
छाती ठंढी होना	हृदय शीतल होना। चित्त शांत और प्रफुल्लित हो जाना। मन का आवेग शांत होना। कामना पूर्ण होना। हौसला पूरा होना। जी की जलन मिटना।
छाती ठुकना	हिम्मत बंधना। साहस बंधना। चित्त में दृढ़ता होना।
छाती ठोककर कहना	कोई कठिन कार्य करने को प्रतिज्ञा करना। विश्वास दिलाना।
छाती ठोकना	किसी कठिन कार्य के करने की साहसपूर्वक प्रतिज्ञा करना। किसी भारी या कठिन कार्य को करने का दृढ़तापूर्वक निश्चय दिलाना। कोई दुष्कर कार्य करने का साहस प्रकट करना। हिम्मत बा
छाती ढलना	स्तनों का लटक जाना।
छाती तले रखना	पास से अलग न होने देना। सदा अपने समीप य अपनी रक्षा में रखना। अत्यन्त प्रिय करके रख
छाती तले रहना	पास रहना। आंखों के सामने रहना। अत्यन्त होकर रहना।
छाती थामकर रह जाना	भारी शोक या दुःख अनुभव करना जो न किया जा सके। कोई भारी मानसिक आघा सह कर स्तब्ध हो जाना। शोक से ठक रह जा
छाती दरकना	दुःख से हृदय व्यथित होना। दुःख, शोक आदि चित्त व्याकुल होना। अत्यन्त मानसिक अत्यन्त सन्ताप होना। ईर्ष्या से हृदय होना। चित्त में डाह होना। जी जलना।
छाती देना	बच्चे के मुंह में पीने के लिए स्तन डाल पीलाना। बच्चे को दूध पीलाना।
छाती धड़कना	किसी भय या आशंका से हृदय कंपित कलेजा धक धक करना। खटके या डर से जल्दी जल्दी उछलना। जी दहलना।

छाती निकालकर चलना	सीना तानकर चलना। अकड़ कर चलना। ऐंठ कर चलना।
छाती पक जाना	कष्ट या अपमान सहते सहते हृदय जर्जर हो जाना। बार बार के दुःख या कुढ़न से चित्त का अत्यन्त व्यथित होना।
छाती पकड़ कर रह जाना	ऐसा भारी शोक या दुःख अनुभव करना जो प्रकट न किया जा सके। कोई भारी मानसिक आघात सह कर स्तब्ध हो जाना। शोक से ठक रह जाना।
छाती पकना	स्तनों पर घात होना। स्तनों में घाव होना।
छाती पत्थर की करना	अत्यन्त शोक या दुःख सहने के लिए हृदय कठोर करना। भारी कष्ट या सन्ताप सह लेना या सहने के लिए प्रस्तुत होना।
छाती पत्थर की होना	अत्यन्त शोक या दुःख सहने के लिए जी कड़ा होना। हृदय इतना कठोर होना कि वह शोक या दुःख का आघात सह सके।
छाती पर का जम	हर घड़ी साथ लगा रहने या घेरे रहनेवाला आदमी।
छाती पर कोदो दलना	किसी को दिखाकर कोई ऐसा काम करना जिससे उसे ईर्ष्या या ताप हो। ऐसी बात करना जिससे किसी का जी दुखे या क्रोध अथवा सन्ताप हो। किसी के सामने ही उसकी हानि या बुराई करना। अत्यन्त कष्ट पहुंचाना। खूब पीड़ित करना।
छाती पर चढ़कर ढाई चुल्लु लहू पीना	कठिन दण्ड देना। प्राण दण्ड देना।
छाती पर चढ़ना	कष्ट पहुंचाने के लिए पास जाना।
छाती पर धर कर ले जाना	मरने पर अपने साथ ले जाना।
छाती पर पत्थर धर लेना (रखना)	किसी भारी शोक या दुःख के आघात का सहन दुःख सहने के लिए हृदय कठोर करना।
छाती पर फिरना	घड़ी घड़ी ध्यान में आना। बार बार स्मरण होना।

छाती पर बाल होना	उदारता, न्यायशीलता आदि के लक्षण होना।
छाती पर सांप लोटना	दु:ख से कलेजा दहल जाना। हृदय पर दु:ख, शोक आदि का आघात पहुंचना। मन मसोसना। मानसिक व्यथा होना। ईर्ष्या से मन व्यथित होना। डाह होना। जलन होना।
छाती पीटना	छाती पर जोर जोर से हाथ पटकना। दु:ख या शोक से व्याकुल होकर छाती पर हाथ पटकना। शोक के आवेग में हृदय पर आघात करना। मातम मनाना। ईर्ष्या के अतिरेक से बार बार छाती पर हाथ पटकना।
छाती फटना	दु:ख से हृदय व्यथित होना। दु:ख, शोक आदि से चित्त व्याकुल होना। अत्यन्त मानसिक क्लेश होना। अत्यन्त सन्ताप होना। उ०- तुम बिन छिन छिन कैसे कटे। पलक ओट में छाती फटे। लल्लू। (ख) बल विलोकि बिदरति नहिं छाती। रामा०। ईर्ष्या से हृदय व्यथित होना। चित्त में डाह होना। कुढ़न होना। जी जलना।
छाती फुलाना	अकड़कर चलना। तन कर चलना। इतराना। घमंड करना। अभिमान दिखाना।
छाती भर आना	प्रेम या करुणा के आवेग से हृदय परिपूर्ण होना प्रेम या करुणा से गद्गद् होना। उ०- वारि विलोचन बांचत पाती। पुलकि गात भरि आई छाती। तुलसी। छाती में दूध भर आना। दूध उतरना। अत्यन्त दु:ख होना।
छाती मसोसना	चुपचाप हृदय में ऐसा घोर दु:ख होना जो प्रकट न किया जा सके। मन ही मन संतप्त होना।
छाती में छेद पड़ना	कष्ट या अपमान सहते सहते हृदय जर्जर होना। बार बार के दु:ख या कुढ़न से चित्त अत्यन्त व्यथित होना। उ०- मेंदिया सों भेद कहिबो। छेद सों छाती परो। सूर।
छाती में नासूर डालना	बहुत कुढ़ाना। बहुत तंग करना।

छाती से पत्थर टलना	किसी ऐसे भारी काम का हो जाना जिसका भार अपने ऊपर रहा हो। कठिन या बड़े काम के पूरे होने पर चित्त निश्चिन्त होना। ऐसे कार्य का पूरा हो जाना जिसका खटका सदा बना रहता हो। बेटी का ब्याह हो जाना।
छाती से लगाना	आलिंगन करना। गले लगाना। प्यार करना। प्रेम से दोनों भुजाओं के बीच दबाना।
छाती से लगा रखना	अपने पास से जाने न देना। प्रेमपूर्वक सदा अपने समीप रखना। अत्यन्त प्रिय करके रखना। अपनी देख-रेख और रक्षा में रखना।
छापा मारना	हमला करना।
पौ० छार छार करना	खाक-सियाह कर देना। नष्ट-भ्रष्ट करना।
छिया छरद करना	छी छी करना। घिनाना। मल और वमन के समान घृणित समझना। उ०- जो छिया छरद करि सकल संतन तजी तासु मतिमूढ़ रस प्रीति ठानी। । सूर ।
छियाबिया करना	खराब या बरबाद करना। नष्ट भ्रष्ट करना।
छींक होना	अपशकुन होना।
छींकते नाक काटना	थोड़ी थोड़ी बात पर चिढ़ना या दण्ड देना। अत्याचार करना। छोटे से अपराध का बहुत बड़ा दण्ड मिलना।
छींकने पर नाक कटना	छोटे से अपराध का बहुत बड़ा दण्ड मिलना।
छींटा कसना	कटूक्ति कहना।
छींटा छोड़ना आक्षेप करना।	आक्षेप करना। व्यंग्य करना।
छींटा देना	भड़काना। उकसाना।
छींटा फेंकना	आक्षेप करना। व्यंग्य करना।
छी छी करना	घिनाना। अरुचि या घृणा प्रकट करना। उ०-

	वेष भये विष भावे न भूषन भोजन को कछुहू नहो इंछो। मोच के साधन सोंध सुधा, दधि दूध औ माखन आदिहु छो! छो। भूषणा।
छींका टूटना	अनायास ऐसी घटना होना जिससे किसी को कुछ लाभ हो जाय। संयोग से बिना प्रयत्न किये कोई लाभ हो जाना।
छोर डालना	धोती आदि में किनारे का तागा निकालकर फालर बनाना।
छुछहंड़ दिखाना	मांगने पर किसी वस्तु को देने से यनकार करना या उसका अभाव बतलाना।
छुट्टा छरिंदा	एकाकी। अकेला। जिसके साथ यात्रा में माल असबाब या साथी न हो।
छुट्टी पाना	झंझट से बचना। पीछा छुड़ाना। जवाबदेही या जिम्मेदारी से अलग होना।
छुट्टी पर जाना	नियत कार्य से अवकाश ग्रहण करना।
छुट्टी मनाना	अवकाश का दिन आनन्द से मनाना।
छुट्टी होना	झंझट दूर होना। काम निपटाना। काम समाप्त होना।
छुट्टे हाथ	खाली हाथ। हाथ में बिना छड़ी या हथियार आदि लिए।
छुरी कटारी रहना	लड़ाई झगड़ा रहना। बिगाड़ रहना। बैर रहना।
छुरी कटारी लिए रहना	लड़ने को तैयार रहना।
छुरी कटारी होना	बैर होना। लड़ाई झगड़ा होते रहना।
छुरी चलना	छुरी से लड़ाई होना। चीरने आदि के लिए छुरी का प्रयोग होना।
छुरी चलाना	बहुत सताना। कष्ट देना। मारी हानि करना।
छुरी तले दम लेना	अति कलेश, विपत्ति में धैर्य धारण करना।

सुधा, दधि) नाहिं

छुरी तेज करना	उत्पीड़न, अपकार, हानि पहुंचाने की तैयारी करना।
छुरी तेज होना	अनिष्ट करने या हानि पहुंचाने की तैयारी होना।
छुरी देना	मारना। गला काटना।
छुरी फेरना	किसी का अनिष्ट करना। का किसी को भारी हानि पहुंचाना।
छूंछा पड़ना	व्यर्थ जाना। निष्फल होना।
छूंछा हाथ	द्रव्य से खाली हाथ। बिना हथियार का हाथ।
छू करना	मंत्र पढ़कर फूंकना।
छू छू बनाना	उल्लू बनाना। बेवकूफ बनाना।
छू बनना	चलता बनना। गायब होना।
छू मंतर होना	चट पट दूर होना। मिट जाना। गायब होना। जाता रहना। न रहना।
छू होना	चलता बनना। चंपत होना। गायब होना। उड़ जाना। जाता रहना।
छूट पड़ना	किसी पकड़ी या बंधी हुई वस्तु का अलग होकर नीचे गिर जाना।
छूत उतरना	अशुचि स्पर्श का दोष दूर होना।
छूत उतारना	भूत प्रेत की छाया, प्रभाव मंत्र से दूर करना।
छूत फाड़ना	मनहूस आदमी या भूत प्रेत की छाया का प्रभाव मंत्र से दूर करना।
छूने को होना	रजस्वला होना।
छूने से होना	रजस्वला होना।
छेड़ निकालना	चिढ़ानेवाली बात करना।
(पवन में) छेद करना	हानि करना।

छे जाना — छेद का फट जाना। किसी छेद का फैलकर इतना। बढ़ जाना कि उसके आस पास का स्थान फट जाय।

छोटे मुंह बड़ी बात — अपनी हैसियत से बड़ी बात कहना। छोटे आदमी ब[illegible] का बड़े के दोष निकालना। निंदा करना।

(किसी को) छोड़ या

छोड़कर — (किसी के) अतिरिक्त। सिवाय।

छोड़ छोड़ाई — माफी।